SURYA FOUNDATION

एक कक्षा-एक किताब

सूर्य भारती

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 का अनुपालन
(पैरा 4.32 एवं 4.33)

जयप्रकाश अग्रवाल

चेयरमैन, सूर्या फाउण्डेशन

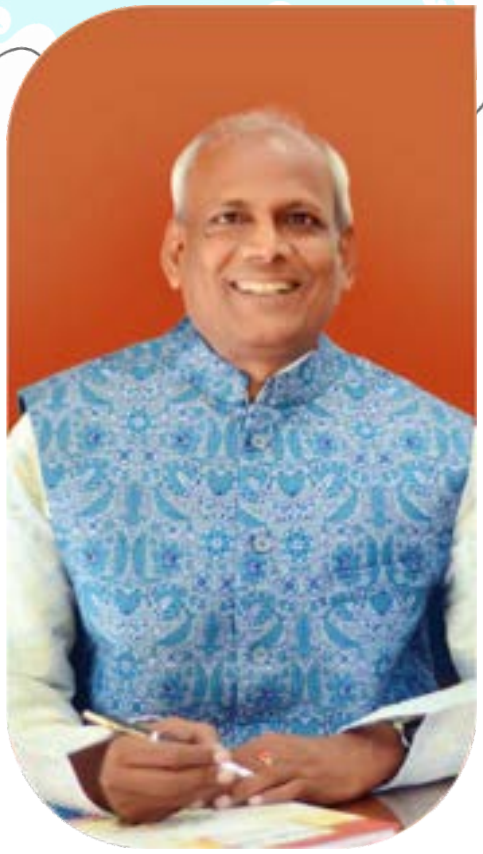

भारत की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विरासत विश्व इतिहास में प्राचीनतम है। वैदिक युग से लेकर अब तक भारतवासियों के लिये शिक्षा का अभिप्राय यह रहा है कि शिक्षा प्रकाश का स्रोत है तथा जीवन के विभिन्न कार्यों में यह हमारा मार्ग आलोकित करती है। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ने व्यक्ति के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया। विनम्रता, सच्चाई, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और आत्म-सम्मान जैसे मूल्यों पर बल दिया। हमारी शिक्षा की अवधारणा स्वयं, परिवार और समाज के प्रति कर्तव्यों को पूरा करते हुए शिक्षण एवं जीवन के सभी पहलुओं को शामिल करती हैं। भारत में शिक्षा का स्वरूप व्यावहारिकता प्राप्त करने योग्य और सफल जीवन जीने में सहायक है। आज के परिवेश में शिक्षा को समावेशी बनाना अत्यंत आवश्यक है, बालकों में बढ़ते शिक्षा के बोझ और तनाव को कम करने के उद्देश्य से हमने देश भर के विशेषज्ञों के साथ सालों तक परिश्रम किया, अनथक चिंतन और मनन के बाद सूर्य भारती नाम से 'एक कक्षा एक किताब' की कल्पना को मूर्त रूप दिया, आज उसका सुखद प्रतिफल हम देख रहे हैं। सरकारी और गैर-सरकारी सभी क्षेत्रों में हमारे प्रयास को सराहा जा रहा है। हम चाहते हैं बालकों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए सर्व-समावेशी, सुलभ और रोचक शिक्षा का वातावरण तैयार किया जा सके।

रचना एवं समीक्षक मण्डल

सूर्या फाउण्डेशन

पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन, सूर्या फाउण्डेशन

प्रो. जे एस राजपूत
पूर्व-निदेशक-NCERT

प्रो. एन के अंबष्ट
शिक्षाविद् एवं मार्गदर्शक

प्रो. एच एल शर्मा
संयोजक-एजुकेशन थिंक टैंक

डॉ. गुज्जर मल वर्मा
प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं मार्गदर्शक

श्री संतोष भटनागर
पूर्व अतिरिक्त शिक्षा निदेशक

प्रो. टी एन धर
पूर्व अतिरिक्त शिक्षा निदेशक

सूर्य भारती पुस्तकों की विशेषताएँ

1

- Minimum Level of Learning
- Mastery Learning
- Concept Maping
- Constructivism

2

- विशेषज्ञों के समूह द्वारा पाठों की रचना।
- रोचक कविताएँ, कहानियाँ, पहेलियाँ एवं चित्रमय पाठ।
- सरल भाषा, छोटे वाक्य, खेल-खेल में पढ़ाई-लिखाई और गणित ज्ञान।

3

- सनातन, संस्कृतिमयी, गुणवत्तीय, शिक्षा-वेद, पुराण, उपनिषद्, रामायण, गीता, महाभारत, पंचतंत्र, महान संतों के वचन आदि।
- कम खर्चीली शिक्षा। गृहकार्य नहीं।
- जीवन-मूल्य आधारित नीति वाक्य (सुलेख पट्टी)।

4

- विषय-वस्तु का मूल्यांकन न करके योग्यता, कौशल और दक्षता का मूल्यांकन।
- अभिभावक और शिक्षकों की सहायता के लिए शिक्षण संकेत।
- पाठ से संबंधित कुछ मुख्य हिंदी शब्दों के संस्कृत और अंग्रेजी शब्द।

पुस्तकों के बारे में

सूर्य भारती पुस्तकों में भाषा (हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी), गणित, परिवेश अध्ययन, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, जीवन जीने की कलाएँ, जीवन कौशल, परांपरागत तथा आधुनिक व्यवसाय, योग, खेल, नृत्य, संगीत, प्राकृतिक आपदाओं जैसे-भूकंप, बवंडर, बाढ़, महामारी आदि से संबंधित जानकारी समेकित है। बच्चों के लिए केवल पाठ है। पाठ्यसामग्री शिक्षकों के लिए है। इसके अंतर्गत अभ्यास कार्य, सुलेख आदि दिए हैं। शिक्षकों से अपेक्षा है कि वे पाठ पढ़ाने के लिए समय तथा परिस्थितियों के अनुसार पाठ योजना बनाएँगे। पाठ को अच्छी तरह से पढ़ाने लिखाने में कई दिन लग सकते हैं। पाठों को बार-बार दोहराने की अपेक्षा है।

पुस्तकों में समाज-सुधारक, शिक्षाविद्, साहसी वीर बालक-बालिकाएँ, बूझो तो जानें, प्रेरणा के स्रोत, छोटे बच्चे बड़े काम, हमें इन पर गर्व है, हमारे राष्ट्र-रक्षक, स्वतंत्रता संघर्ष आदि के पाठ हैं। पाठ्यसामग्री प्राचीन है और अर्वाचीन भी। अंग्रेजी भाषा जानने वालों के लिए हिन्दी सीखने के लिए पुस्तकें उपयोगी हैं। जननी-जनक (अभिभावकों) से भी बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में यथासाध्य अपेक्षा है। सभी की जानकारी के लिए पुस्तकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य बिंदु तथा भारत सरकार द्वारा कक्षा 1 से 8 तक के विषयों के लिए दिए गए Learning Outcomes भी पुस्तकों में हैं।

परमपूज्य सर संघ चालक माननीय डॉ. मोहन भागवत जी
के साथ पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी
को सूर्य भारती पुस्तक भेंट करते हुए
सूर्या फाउंडेशन के प्रतिनिधि

वर्तमान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के साथ
सूर्या फाउण्डेशन का प्रतिनिधि मंडल

निवर्तमान राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी को सूर्य भारती पुस्तक भेंट करते हुए
सूर्या फाउण्डेशन के पदाधिकारी

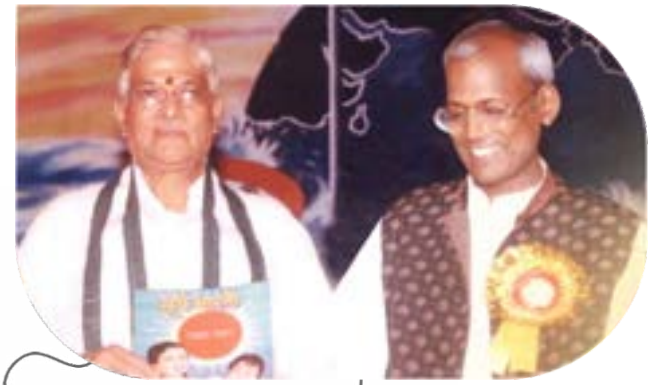

प्रेरणा

"

अनुभव से सीखना और
शिक्षा से सीखना,
दोनों जरूरी है।
आपकी शिक्षा और मूल्य
यह तय करते हैं
कि आप अपने अनुभवों
से कैसे सीखते हैं।

श्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

SCHOOL BHARTI ORGANISATION ACTIVITIES

1. Higher Management Training Camps
2. Principal Management Training Camps
3. Teachers Personality Development Camps
4. Personality Development Camps for Students
5. Surya Scholarship Scheme
6. Rural Tourism
7. Sports Competitions
8. Quiz Competitions
9. Seminars, Conferences and Workshops on Education

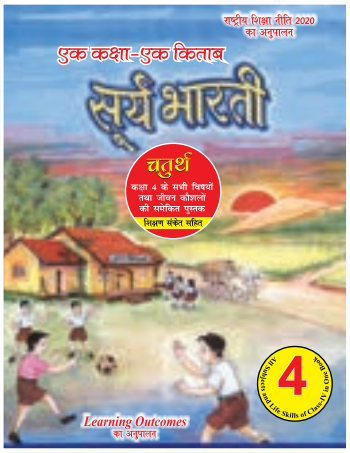

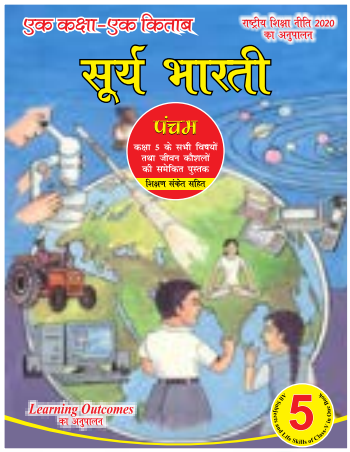

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 का अनुपालन (पैरा 4.32 एवं 4.33)

पाठ्यक्रम और शिक्षणशास्त्र में उपयुक्त परिवर्तनों के जरिए **स्कूल बैग और पाठ्यपुस्तकों के बोझ को पर्याप्त रूप से कम करने के लिए** एनसीईआरटी, एससीईआरटी, स्कूलों और शिक्षकों द्वारा ठोस प्रयास किए जाएँगे।

Concerted efforts, through suitable changes in curriculum and pedagogy, will be made by NCERT, SCERTs, **schools and educators to significantly reduce the weight of school bags and text books.**

बस्ते का बोझ कम करने की एक अद्भुत पहल

सूर्या फाउण्डेशन

School Bharti Organization (SBO)

(an Educational Wing of Surya Foundation)

B-3/330 Paschim Vihar New Delhi -110063

Tel. : 011-25253681, 25261588, Mobile : 8178016132

bookssuryabharti suryabhartii SuryaBhartii suryafoundation sbo@suryafoundation.org suryafoundation.org